भजन

तर्ज–रिमझिम गिरे सावन

पिया तेरी ये विरहिन, रह ना सके तेरे बिन
रहे याद हर पल तेरी, तेरा है यह तन मन

1 तन ये तुम्हारा पिया मन भी तुम्हारा
जो कुछ है पास मेरे सब कुछ तुम्हारा
तू ही बसा दिल में है कुछ भी ना तेरे बिन

2 ना दूर तुमसे पास तुम्हारे
हम तन है तेरे धनी तुम हमारे
तेरा मेरा सनमंध तो है मूल वतन

3 तुझे गर जुदा कहूं तो कहा नही ये जाये
एक कहूँ न कहनी में आए
देखूं तेरी वाहेदत तो कुछ भी ना तेरे बिन